ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

3-11-2022

अन्दर में जो भी पुराने भाव-स्वभाव का किचड़ा है, उसे परिवर्तन करने के लिए सच्चाई और सफाई का गुण धारण करो। मन्सा-वाचा-कर्मणा तीनों में बनावटी रूप न हो। सच्चाई अर्थात् जो करें, जो सोचें वही वर्णन करें। ऐसा जो सच्चा होगा वह सबका प्रिय होगा। सच्चे पर साहेब राज़ी होता है।

Now transform the old nature and old sanskars.

In order to transform the dirt of your old nature inside you, imbibe the virtues of honesty and cleanliness. Le there not be anything false in all three forms: your thoughts, words or deeds. To be honest means to tell others to do what you yourself think and do. Those who are truthful in this way are loved by everyone. The Lord is pleased with those who have an honest heart.